नमः पार्वती पतिनुत जनपर नमो विरूपाक्ष || pa ||
रमा रमणनलि अमल भकुति कॊडु नमो विशालाक्ष || a. PA ||
नीलकंठ त्रिशूल डमरु हस्तालंकृत रक्ष
फालनेत्र कपाल रुंड मणि मालाधृत वक्ष
शीलरम्य विशाल सुगुण सल्लील सुराध्यक्ष
श्रीलकुमीशन ओलैसुव भक्तावळिगळ पक्ष || 1 ||
वासवनुत हरिदास ईश कैलास वास देव
दाशरथिय औपासक सुजनर पोषिप प्रभाव
भासिसुतिहुदु अशेष जीवरिगॆ ईशनॆंब भाव
श्रीशनल्लि कीलिसुमनव गिरिजेश महादेव || 2 ||
मृत्युंजय निन्नुत्तम पदयुग भृत्यनो सर्वत्र
हत्तिर करॆदु अपत्यनंतॆ पॊरॆयुत्तिरो त्रिनेत्र
तॆत्तिगनंतॆ कायुत्तिहॆ बाणन सत्यदि सुचरित्र
कर्तृ उडुपि सर्वोत्तम कृष्णन पौत्र कृपा पात्र || 3 ||